न्यूज डायरी

हाफिज सईद पर नहीं हो सके आरोप तय, अगली सुनवाई 11 दिसंबर को

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। लाहौर की आतंकवाद रोधी अदालत मुंबई आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड और प्रतिबंधित जमात–उद–दावा प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ आतंकवाद के वित्त पोषण के आरोप तय नहीं कर सकी। शनिवार को अधिकारी आश्चर्यजनक रूप से इस हाई प्रोफाइल सुनवाई में एक सह–आरोपी को पेश करने में नाकाम रहे। आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने लश्कर–ए–तैयबा के संस्थापक और एक अन्य सह–आरोपी मलिक जफर इकबाल के खिलाफ आरोपों को तय करने के लिए अब 11 दिसंबर की तारीख तय की है। अदालत के एक अधिकारी ने सुनवाई के बाद कहा, 'पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग की प्राथमिकी 30/19 के तहत हाफिज सईद और अन्यों के खिलाफ मामले पर आतंकवाद के वित्त पोषण के संबंध में आतंकवाद रोधी अदालत–1 में आरोप तय किए जाने थे लेकिन आश्चर्यजनक रूप से सह–आरोपी मलिक जफर इकबाल को जेल से पेश नहीं किया गया।

पाकिस्तानी मूल की पत्रकार अमना नवाज करेंगी प्रेजिडेंट डिबेट का संचालन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की डिमोक्रेट उम्मीदवारी के लिए होने वाली एक बहस के संचालन के लिए पाकिस्तानी मूल की एक अमेरिकी पत्रकार को चुना गया है। इस काम के लिए चुनी जाने वाली दक्षिण एशिया मूल की वह पहली अमेरिकी पत्रकार हैं। यह जानकारी शनिवार को एक मीडिया रिपोर्ट से मिली। डॉन न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीबीएस न्यूज ऑवर की अमना नवाज 19 दिसंबर को लॉस एंजेलिस स्थित लोयोला मेरीमाउंट में आयोजित होने वाले छठे डिमोक्रेटिक प्राइमरी डिबेट का सह–संचालन करेंगी। न्यूज ऑवर से जुड़ने से पहले नवाज एबीसी न्यूज में ऐंकर और संवाददाता रह चुकी हैं। उस दौरान उन्होंने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को कवर किया था।

केन्या में बस हमले में आठ लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नैरोबी। उत्तर पूर्वी केन्या में एक बस पर हुए हमले में कई पुलिस अधिकारियों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। समझा जाता है कि यह हमला सोमाली इस्लामी शबाब संगठन ने किया है। राष्ट्रपति के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि केन्या के राष्ट्रपति उहुरु केन्याटा को वजीर काउंटी में हुए जिहादी हमले में पुलिसकर्मियों समेत आठ लोगों की ''बर्बर'' मौत के बारे में सूचित किया गया है। पुलिस सूत्र ने बताया, ''हमने बस हमले में सात पुलिस अधिकारियों को खो दिया।'' उसने बताया कि कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। सूत्र ने बताया, ''हमले में कई लोग मारे गए हैं। एक की पहचान स्थानीय डॉक्टर के तौर पर हुई है।'' हालांकि शुक्रवार शाम को पुलिस की ओर से जारी बयान में घटना में हताहतों की संख्या नहीं बताई गई थी। बयान में सिर्फ इतना बताया गया कि वजीर और मंदेरा शहर को जोड़ने वाली बस पर स्थानीय समयानुसार शाम करीब साढ़े पांच बजे हमला हुआ था।

बगदाद में अज्ञात हमलावरों की प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में शुक्रवार को अज्ञात हमलावरों ने सरकार का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें 16 प्रदर्शनकारी मारे गए जबकि 47 अन्य्य घायल हो गए हैं। घायलों में कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। इराकी गृहमंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि हमलावर चार पहिया वाहनों के काफिले में बगदाद के अल–खलानी स्क्वायर में घुस गए और प्रदर्शन के लिए जमा हुए लोगों पर गोलीबारी करने लगे। बता दें बगदाद समेत लगभग पूरा इराक पिछले दो माह से सरकार विरोधी प्रदर्शनों की चपेट में है। इसी दौरान असैन्य वाहनों से आए कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने राइफलों से उन पर गोलियां बरसा दीं।

अमेरिका ने दोहा में तालिबान के साथ फिर वार्ता शुरू कीः सूत्र

माना जा रहा है कि समझौते के दो केंद्र बिंदु होंगे

वार्ता बहाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दोहा। अमेरिका ने शनिवार को कतर में तालिबान के साथ वार्ता बहाल की। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने करीब तीन महीने पहले अचानक राजनयिक प्रयासों को बंद कर दिया था। इस साल सितंबर में तालिबान और अमेरिका करार के करीब पहुंचते नजर आ रहे थे जिसका नतीजा होता कि सुरक्षा गारंटी के एवज में अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी होती। हालांकि, उसी महीने ट्रंप ने अचानक करीब साल भर से चल रही कोशिश को मृतप्राय करार देते हुए कैंप डेविड में गोपनीय वार्ता के लिए तालिबान प्रतिनिधियों को दिए न्योते को वापस ले लिया। उन्होंने यह कदम अमेरिकी सैनिक के मारे जाने के बाद उठाया। अमेरिकी सूत्र ने बताया, अमेरिका आज दोबारा दोहा में बातचीत में शामिल होगा।

चर्चा के केंद्र में हिंसा कम करना होगा जिससे अंतर अफगान वार्ता और संघर्ष विराम के लिए रास्ता बनेगा। पिछले हफ्ते अफगानिस्तान स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकाने के दौरे पर अचानक गए ट्रंप ने कहा था कि तालिबान समझौता करना चाहता है। बातचीत बंद होने के बावजूद अमेरिकी वार्ताकार जलमय खलीलजाद ने हाल के हफ्तों में पाकिस्तान सहित अफगानिस्तान शांति वार्ता के हितधारक देशों का दौरा किया था।

हाल में उन्होंने बंधकों की अदला–बदली कराने की व्यवस्था की जिसमें तालिबान ने तीन साल से बंधक अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई शिक्षाविदों को रिहा किया।

तालिबान अबतक अफगान सरकार से बातचीत से इनकार कर रहा है। वह काबुल की सरकार को अवैध मानता है। अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी की ओर से चिंता जताए जाने के बाद अमेरिकी विदेश विभाग ने संघर्ष विराम का समर्थन किया, जो काबुल की तालिबान से बातचीत में शामिल होने से पहले प्रमुख प्राथमिकता है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने शांति की दोबारा कोशिश करने की घोषणा करते हुए बुधवार को कहा, राजदूत खलीलजाद तालिबान से बातचीत में दोबारा शामिल होंगे और विभिन्न कदमों पर चर्चा करेंगे जिससे अंतर अफगान बातचीत और युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान का रास्ता निकल सके, खातसौर पर हिंसा में कमी आए और अंततः संघर्ष विराम पर सहमति बने।

माना जा रहा है कि समझौते के दो केंद्र बिंदु होंगे, पहला अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी और दूसरा चरपंथियों की ओर से जेहादियों को सरंक्षण नहीं देने की प्रतिबद्धता। करीब 18 साल पहले अफगानिस्तान में अमेरिकी घुसपैठ की मुख्य वजह तालिबान का अलकायदा से संबंध था। हालांकि, तालिबान के साथ सत्ता साझेदारी, क्षेत्रीय शक्तियों जैसे भारत और पाकिस्तान की भूमिका और गनी सरकार का भविष्य ऐसे मुद्दे हैं जिनपर पेंच फंस सकता है।

जलवायु परिवर्तन से कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा, जिम्बाब्वे के हालात और भी खराब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दुनिया भर में जिस तरह से जलवायु परिवर्तन देखने को मिल रहा है उसके दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। कई देशों में बरसात और पानी से तबाही देखने को मिली तो कई देश अभी सूखे की चपेट में है। उनके यहां बरसात होने के बाद जो हरियाली होनी चाहिए थी वो देखने को नहीं मिल रही है। इस वजह से अब वहां जानवरों को खाने के चारे और घास आदि नहीं मिल पा रही है इससे पशु मर रहे हैं। उनके खाने के साधन उपलब्ध नहीं है। आलम ये है कि अब यहां के जानवर काफी दुर्बल हो रहे हैं। कई की तो मौत हो चुकी है।

सूखे की वजह से जिम्बाब्वे के हालात खराबः कुछ साल पहले तक जिम्बाब्वे के पशुपालक आराम से गुजर बसर करते थे लेकिन जलवायु परिवर्तन की वजह से आज वे संकट में हैं। उनके पालतू जानवर रोजाना मर रहे हैं। देश के पश्चिमी क्षेत्र में काफी संख्या में किसान पशुपालन करते थे लेकिन अब उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण ये है कि प्यास और भोजन की कमी से जानवर मर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से जिम्बाब्वे के किसान लगातार सूखे की मार झेल रहे हैं, इससे निपटने के लिए वे पशुपालन के तरीकों को बदलने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन सभी लोग नए तरीकों को समझ नहीं पा रहे हैं।

विवाह क्यों नहीं करना चाहते जापानी युवक और युवतियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तोक्यो। जापान की युवा आबादी विवाह करने से हिचक रही है। इसका कारण पुरानी सामाजिक प्रथाएं और बढ़ते आर्थिक दबाव हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन कारणों से विवाह की चाहत रखने वाली जापान के युवा और युवतियां कभी हिम्मत नहीं दिखा पाते हैं और आखिर में कुंवारे रहने का ही फैसला कर लेते हैं। तोक्यो के चोउ यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र के प्रफेसर मासाहिरो यमादा ने कहा कि कुंवारेपन तक माता–पिता के साथ जीवन बसर करने के रिवाज के कारण उनपर अपना जीवनसाथी ढूंढने का दबाव कम होता है। उन्हें लगता है कि ऐसे किसी के साथ रिलेशनशिप में पड़ना वक्त की बर्बादी है जो उनकी जरूरतें पूरी नहीं कर सकता और अच्छी जिंदगी नहीं दे सकता।

ट्रंप और मून उत्तर कोरिया से बातचीत जारी रखने पर सहमत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे–इन और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को सहमति व्यक्त की कि वॉशिंगटन और प्योंगयॉन्ग के बीच बातचीत की गति को बनाए रखना आवश्यक है। यह जानकारी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से दी गई। चेओंग वा दा के प्रवक्ता को मिन–जंग के अनुसार, आधे घंटे की फोन वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति जताई कि कोरियाई प्रायद्वीप पर हाल की स्थितियां गंभीर हैं और परमाणु मुक्त माहौल से संबंधित बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए बातचीत की गति को बनाए रखा जाना चाहिए। योनहाप न्यूज एजेंसी ने को के हवाले से बताया कि मून और ट्रंप ने शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के तरीकों पर गहन विचार–विमर्श किया। इसके साथ ही दोनों नेता जब भी जरूरत पड़े, तब फोन पर बातचीत करने के लिए सहमत हुए।

इस हफ्ते की शुरुआत में उत्तर कोरिया ने नाटो शिखर सम्मेलन के लिए लंदन यात्रा के दौरान ट्रंप द्वारा दिए गए स्पष्ट चेतावनी संदेश के जवाब में उनके खिलाफ अपने मौखिक हमलों को फिर से शुरू कर दिया है। ट्रंप ने कम्युनिस्ट शासन के खिलाफ सैन्य बल का उपयोग करने की संभावना को खारिज नहीं किया। उन्होंने फिर से किम जोंग–उन को रॉकेटमैन कहा।

किम जोंग उन से बातचीत जारी रखने पर राष्ट्रपति ट्रंप हुए राजी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के साथ परमाणु वार्ता में आए गतिरोध को को दूर करने के प्रयास में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष जे–इन मून से फोन पर करीब आधे घंटे तक बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने उत्तर कोरिया के साथ कूटनीतिक संबंध और वार्ता जारी रखने के तौर–तरीके पर चर्चा की।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति भवन ब्लू हाउस ने शनिवार को बयान में बताया, ट्रंप और मून में इस बात को लेकर सहमति बनी कि कोरियाई प्रायद्वीप में हालात गंभीर होते जा रहे हैं। परमाणु निरस्त्रीकरण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्तर कोरिया के साथ वार्ता को जारी रखा जाना चाहिए।श अभी हाल ही में उत्ष्तर कोरिया ने कहा था कि परमाणु वार्ता को बचाने का बेहद कम वक्ष्त बचा है और यह अमेरिका पर निर्भर करता है कि उसे क्रिसमस पर हमसे कौन सा उपहार चाहिए। परमाणु मसले पर ट्रंप और उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के बीच दो बार शिखर वार्ता हो चुकी है।